इंडियन रेडियोलोजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा ऑनलाइन डिजिटल मंच के माध्यम से आयोजित किए जा रहे रक्षा कार्यक्रम के उदघाटन के अवसर पर भाषण

---

14 जून, 2020

नई दिल्ली

सबसे पहले मैं इंडियन रेडियोलोजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन के सभी साथियों का आभार प्रकट करता हूं कि आज इस ऑनलाइन डिजिटल मंच के माध्यम से आपके द्वारा आरम्भ किए गए 'रक्षा' कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर मुझे आपसे जुड़ने का सौभाग्य मिला।

मैं इस वर्चुअल आयोजन से जुड़े एसोसिएशन के सभी सदस्यों, रेडियोलॉजिस्ट एवं अन्य साथियों व सहयोगियों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। समाज की सेवा और लोगों की जान बचाने के इस महान कार्य में आप अपना पूरा जीवन समर्पित कर रहे हैं इसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

आप रोगों की पहचान एवं उपचार दोनों ही क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं। लोग आपसे यह अपेक्षा करते हैं कि आप रोग के विषय में सटीक जानकारी उपलब्ध कराएंगे जिससे उसके निदान का मार्ग सामने आएगा। कहा भी जाता है कि रोग की सही पहचान से ही उसका आधा इलाज हो जाता है। इस कार्य के लिए बड़े से बड़ा डाक्टर भी आप सब पर ही निर्भर है।

विज्ञान की प्रगति के साथ आधुनिक मशीनों के आविष्कार ने नैदानिक चिकित्सा को काफी हद तक सटीक बना दिया है। ऐसे समय में आप सब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग तकनीक ने चिकित्सा जगत में बड़ी क्रांति का सूत्रपात किया; चिकित्सा जगत को एक नई दिशा दी। समय के साथ यह तकनीक इतनी समृद्ध हुई है और विज्ञान की नित नई खोजों से इसमें इतने नए आयाम जुड़े हैं कि आने वाले समय में इसका लाभ समस्त मानव जाति को मिलेगा।

हमारे देश में भी इस क्षेत्र में तरक्की हुई है और अभी और भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। आप अवश्य ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करेंगे।

साथियो, मुझे और भी अधिक प्रसन्नता है कि आपकी संस्था चिकित्सा क्षेत्र से इतर समाज सेवा के अन्य कार्यों में भी व्यापक योगदान कर रही है। इसी के तहत महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए शुरू किया जा रहा रक्षा कार्यक्रम ऐसा कदम है जिसमें आप महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता आदि सभी पहलुओं पर जागरूकता के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं।

यह बात हम सब जानते हैं कि भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए किसी भी क्षेत्र में केवल सरकारी प्रयासों से पूर्ण सफलता नही मिल सकती। ऐसे में निजी क्षेत्र की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। आपकी एसोसिएशन ने पहल करते हुए जो रक्षा कार्यक्रम की संकल्पना की है, उसके लिए मैं आप सब को हृदय से बधाई देता हूं। महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए उठाए गए आपके इस कदम की मैं भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूं। जैसा कि मुझे जानकारी मिली है, समूचे भारत में आपके संगठन से प्रत्यक्षत: जुड़े हुए 17500 सदस्य हैं। इस प्रकार पूरे देश में आपकी पहुंच है, जिसका लाभ जरूरतमंदों को अवश्य ही मिलेगा।

मित्रो, जब भी हम जनकल्याण से जुड़ते हैं तो हमें अपने मनीषियों और महापुरूषों के जीवन और उनके बताए रास्तों से सदैव प्रेरणा मिलती है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, "विश्व कल्याण तब तक नहीं हो सकता जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं आता। केवल एक पंख पर उड़ना संभव नहीं है।" मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि इंडियन रेडियोलोजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और महिलाओं के सशक्तीकरण के बारे में समाज को जागरूक बनाएगा और इस दुनिया को और बेहतर बनाने में अपना योगदान देगा।

प्राचीन काल से ही हमारी यह मान्यता रही है कि जहां पर स्त्रियों की पूजा होती है, वहां देवता रमते हैं। जहाँ उनकी पूजा नहीं होती, वहाँ सब काम निष्फल होते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमें न केवल परिवार में बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना है बल्कि उन्हें आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना है, उनके कौशल में वृद्धि करनी है और उनके स्वास्थ्य ज्ञान को बढ़ावा देना है।

साथियो, महिलाएं देश की आधी आबादी हैं। सोचिए कि कोई देश कैसे तरक्की कर सकता है यदि उसकी आधी आबादी पीछे छूट जाए। महिलाएं पूरी तरह से योग्य और सक्षम हैं। हमें सिर्फ उन्हें अवसर प्रदान करना है, उनके सपनों को सहारा देना है और उनकी उड़ान को हौसला देना है।

स्वस्थ शिशु को जन्म देने के लिए गर्भावस्था के दौरान माँ का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। मैंने इसी उद्देश्य से 1 मार्च, 2020 को कोटा, राजस्थान से सुपोषित माँ अभियान का शुभारंभ किया है ताकि भारत कुपोषण मुक्त हो सके। सुपोषित माँ अभियान का उद्देश्य हमारी आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है। इस अभियान के माध्यम से पूरे देश में किशोरियों और गर्भवती महिलाओं की सहायता की जाएगी।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को स्वस्थ बनाना है। फिलहाल इसे कोटा से शुरू किया गया है परंतु धीरे-धीरे इसका विस्तार पूरे देश में किया जाएगा। इस अभियान के पहले चरण में 1000 महिलाओं को एक महीने तक भोजन दिया जाएगा। इसके साथ ही शिशु के स्वास्थ्य, चिकित्सा जांच, रक्तदान, दवाई, प्रसव आदि की व्यवस्था भी की जाएगी।

हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि महिलाएं जीवनशैली में सुधार लाने और समुदाय के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को बढ़ावा देना समाज में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए बहुत आवश्यक है। इससे जीवनशैली में सुधार लाने और स्वास्थ्यकर आदतें अपनाने में बहुत मदद मिलेगी।

मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई कि इंडियन रेडियोलोजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन ने पिछड़े क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में सेनिटरी वेंडिंग मशीनें लगाने और सुरक्षा, साफ-सफाई और पोषाहार के बारे में जानकारी दिए जाने की आवश्यकता को समझा। मुझे पूरा विश्वास है कि ये कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, जननी सुरक्षा योजना जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के समान ही बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

समाज में कम साधन सम्पन्न जो 'माताएं एवं पुत्रियां' हैं उनके लिए रक्षा समिति द्वारा किया जा रहा काम प्रशंसनीय है। विशेष तौर से वर्तमान में कोरोना महामारी के संदर्भ में हैंड सेनीटाइजर, फेस मास्क, दस्ताने वितरित करने और कोविड-19 से जुड़ी जानकारी प्रदान करने के आपके सराहनीय प्रयासों से पूरी दुनिया में फैले इस घातक वाइरस के संक्रमण से मुक़ाबला करने का हमारा निश्चय और भी मजबूत होगा।

अंत में, मैं यहाँ उपस्थित सभी लोगों को याद दिलाना चाहूँगा कि प्राचीन काल में ही चिकित्सा विज्ञान के जनक माने जाने वाले महर्षि चरक ने चिकित्साविज्ञान के छात्रों के लिए जो दिशा निर्देश तय किए थे उसमें उनका कहना था कि जीवन-विज्ञान की कोई सीमा नहीं है और आप सबको पूरी लगन से काम करना है।

साथियो, मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है और ईश्वर ने इस सर्वोत्तम कार्य के लिए आप सब का विशेष रूप से चयन किया है। कोविड - 19 के इस दौर में समाज और देश को आपसे विशेष अपेक्षाएं हैं। आपके सकारात्मक सहयोग की निरंतर आवश्यकता है ताकि हम इस दुनिया को और बेहतर बना सकें। आप सब जिस तरह से समर्पित होकर सामाजिक कार्य कर रहे हैं, वह सभी के लिए एक मिसाल है।

मैं आशा करता हूं कि अन्य संस्थाएं भी आपके इस रक्षा कार्यक्रम से प्रेरणा लेंगी और समाज सेवा के कार्य में अपना योगदान देंगी। मैं इंडियन रेडियोलोजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन का आभारी हूँ कि उन्होने मुझे आप सबसे बात करने का अवसर प्रदान किया। मैं आप सबके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।